

---

# Shri Gurushivananda Stotram

---

## श्रीगुरुशिवानन्दस्तोत्रम्

---

### Document Information

---

Text title : Shri Gurushivananda Stotram

File name : gurushivAnandastotram.itx

Category : deities\_misc, gurudev, shrIdharasvAmI, stotra, panchaka

Location : doc\_deities\_misc

Author : Shridharasvami

Proofread by : Manish Gavkar

Description/comments : shrIdharasvAmI stotraratnamAlikA

Latest update : February 11, 2023

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

February 12, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

श्रीगुरुशिवानन्दस्तोत्रम्

(अनुष्टुप्छन्दः)

शिवानन्दं दयासिन्धुं सुन्दरानन्दविग्रहम् ।  
भवाब्धितारकं वन्दे ज्ञानविज्ञानदं शुभम् ॥ १ ॥  
सच्चित्सुखघनाकारं जगतः स्थितिकारणम् ।  
आत्मरूपं परं शान्तं शिवानन्दगुरुं भजे ॥ २ ॥  
अहंस्फूर्तितरङ्गस्थं चिदानन्दाब्धिरूपकम् ।  
मुमुक्षुनलिनीचन्द्रं शिवानन्दगुरुं स्तुवे ॥ ३ ॥  
अज्ञानरजनीसूर्यं तप्तचित्तसुधाघनम् ।  
भवरोगभिषग्रलं शिवानन्दं गुरुं श्रये ॥ ४ ॥  
कुण्डले कटकं यद्वत् मृगाम्भसि च आतपः ।  
तद्वज्रगति यत्सत्यं तस्मिन् शिवपदे रमे ॥ ५ ॥  
इति श्रीमत् परमहंसपरिव्राजकाचार्य सद्गुरु भगवान्  
श्रीधरस्वामीमहाराजविरचितं श्रीगुरुशिवानन्दस्तोत्रं सम्पूर्णम् ।  
कीलकसंवत्सर, आषाढ बहुळ त्रयोदशी,  
रचनास्थानं - श्री क्षेत्र वरदपुरं

Proofread by Manish Gavkar

